Roll No. ..... Total No. of Pages – 03

B.A.M.S First Professional Main / Supplementary Examination 2025

Subject –Samhita Adhyayan I | Subject Code– AyUG -SA-I
Paper code – 09 | Time – 03 Hours
Maximum Marks – 100 | Minimum Marks – 50

Note – All questions are compulsory. Marks for each question are marked against it. Write answer of questions in sequence.

SECTION –A
Multiple Choice Questions

20 x 01 = 20

1. चरक संहिता के सूत्र स्थान के स्वस्थ्य चतुष्क में कौन – कौन से अध्याय आते हैं?
   (अ) 1,2,3,4 (ब) 5,6,7,8
   (स) 9,10,11,12 (द) 13,14,15,16

2. चरक संहिता के अनुसार षट्पदार्थ का क्रम है?
   (अ) द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय
   (ब) सामान्य, विशेष, गुण, द्रव्य, कर्म, समवाय
   (स) सामान्य, विशेष, द्रव्य, गुण, कर्म, समवाय
   (द) उपरोक्तमें से कोईनहीं

3. नित्यं हिताहार बिहार सेवा समीक्ष्यकारी ..... किसके संदर्भ में है।
   (अ) दशविध पापकर्म (ब) निरोगीरहने के उपाय
   (स) आगेतुजव्याधि चिकित्सा (द) शोधनकाल

4. स्नेहना जीवना बल्या वर्णोपचयवर्धनाः किसका गुण है
   (अ) मांस (ब) मद्य
   (स) पयः (द) महास्नेह

5. तेजोधातुनां शुक्रातांनाम परमरस्मृतम ..... किसके संदर्भ में हैं –
   (अ) अग्नि की परिभाषा (ब) मल
   (स) ओज की परिभाषा (द) ओजविस्त्रंस के लक्षण

6. चरक संहिता में मूलनी, फलनी, लवण और मुत्र की संख्या क्रमशः है–
   (अ) 19,16,5,8 (ब) 16,19,5,8
   (स) 16,19,8,5 (द) 19,16,4,8

7. अ.ह्र. अनुसार साराम्बु, मध्यम्बु आदि पान किस ऋतु में बताया गया है–
   (अ) वर्षा ऋतु (ब) ग्रीष्म ऋतु
   (स) शरद ऋतु (द) बसंत ऋतु

8. कफोद्रेक में औषध सेवन फल है
   (अ) अन्न के आदिमें (ब) अन्न के मध्य में
   (स) प्रातः काल के भोजन के अंत में (द) अनन्न

9. 'कक्षावाध्मानमाटोपं गौरवं वेदना' किसका लक्षण है
(अ) स्वेदवृध्दि (ब) मूत्र वृध्दि
(स) पुरीषवृध्दि (द) रसवृध्दि

10. वृष्यं सौगन्धमायुष्यं काम्यं पुष्टिबल प्रदमः किसके लिये कहा गया है–
(अ) क्षौर कर्म (ब) गन्धमाल्य धारण
(स) स्वच्छवस्त्र धारण (द) स्नान

11. षड्धातुसंयोगाद गर्भाणां सम्भवस्तथा ..... किसका उदाहरण है–
(अ) आप्तोदेश (ब) प्रत्यक्ष
(स) अनुमान (द) युक्ति

12. कार्श्य–दौर्बल्य वैवर्ण्यमग्डमर्दोडरूचिर्भ्रमः ..... किस वेगरोधम व्याधि है–
(अ) उद्गार वेग (ब) जृम्भावेग
(स) पिपासावेग (द) क्षुधा वेग

13. चेष्टा प्रत्ययभूतं इन्द्रियाणाम् किसका कर्म है–
(अ) वायु का (ब) मन का
(स) आत्मा का (द) मस्तिष्क का

14. वात दोष की चिकित्सा है–
(अ) सर्पिपान व विरेचन (ब) वमन व मधुपान
(स) स्निग्ध उष्णवस्ति (द) चिंता व प्रजागरण

15. कषाय रस का अपवाद है–
(अ) अमृता (ब) पटोल
(स) अभया (द) खदिर

16. 'उग्रतपा' किसको कहा गया है–
(अ) इन्द्र (ब) भरद्वाज
(स) अगिनवेश (द) आत्रेय

17. 'कण्ठास्यशोषो बाधिर्य श्रमः सादोः हृदि व्यथा' लक्षण है–
(अ) पिपासावेगरोधज (ब) क्षुधा वेगरोधज
(स) निद्रावेगरोधज (द) शुक्रवेगरोधज

18. शौर्य, भय, क्रोध, हर्ष, मोह किस दोष का कर्म है–
(अ) रक्त (ब) वात
(स) पित्त (द) कफ

19. नित्य सेवनीय द्रव्य है – आचार्य चरकानुसार
(अ) त्रिफला (ब) द्राक्षा
(स) मृणाल (द) षष्ठीचावल

20. वैद्य की वृत्तियां होती है–
(अ) 02 (ब) 04
(स) 06 (द) 08

SECTION – B
Short Answer Questions

8 x 5 = 40

21. नित्यसेवनीय एवंअनित्यसेवनीय द्रव्यो का वर्णन करें।
22. अलसक एवंविसूचिकमें अंतर लिखिए।
23. विरेचनद्रव्यों के आंश्रय बताते हुये जीवनीय एवं दीपनीय महाकाषाय के द्रव्यों के नाम लिखिए।
24. अंजन के वर्णनकरतेहुये धूमपान के काल बताइए।
25. रोगमार्ग का विस्तार से वर्णन कीजिए।
26. सदवृत्त का विस्तार से वर्णन कीजिए।
27. हंसोदकऔर ऋतुअनुसार रस उत्पत्ति लिखिए।
28. उपस्तंभ के नाम लिखकरअतिनिद्रा की चिकित्सालिखिए।

SECTION – C
Long Answer Questions

4 x 10 = 40

29. प्रत्यक्ष ज्ञानमें बाधक कारण लिखकर प्रमाण से पुर्नजन्म की सिध्दी कीजिए।
30. धारणीय एवं अधारणीय वेगों का वर्णन कीजिए।
31. ऋतुचर्या का विस्तारवर्णन कीजिए।
32. धातु क्षय, वृध्दि के लक्षण एवंचिकितसा का विस्तार से वर्णनकरें।

•••••

14